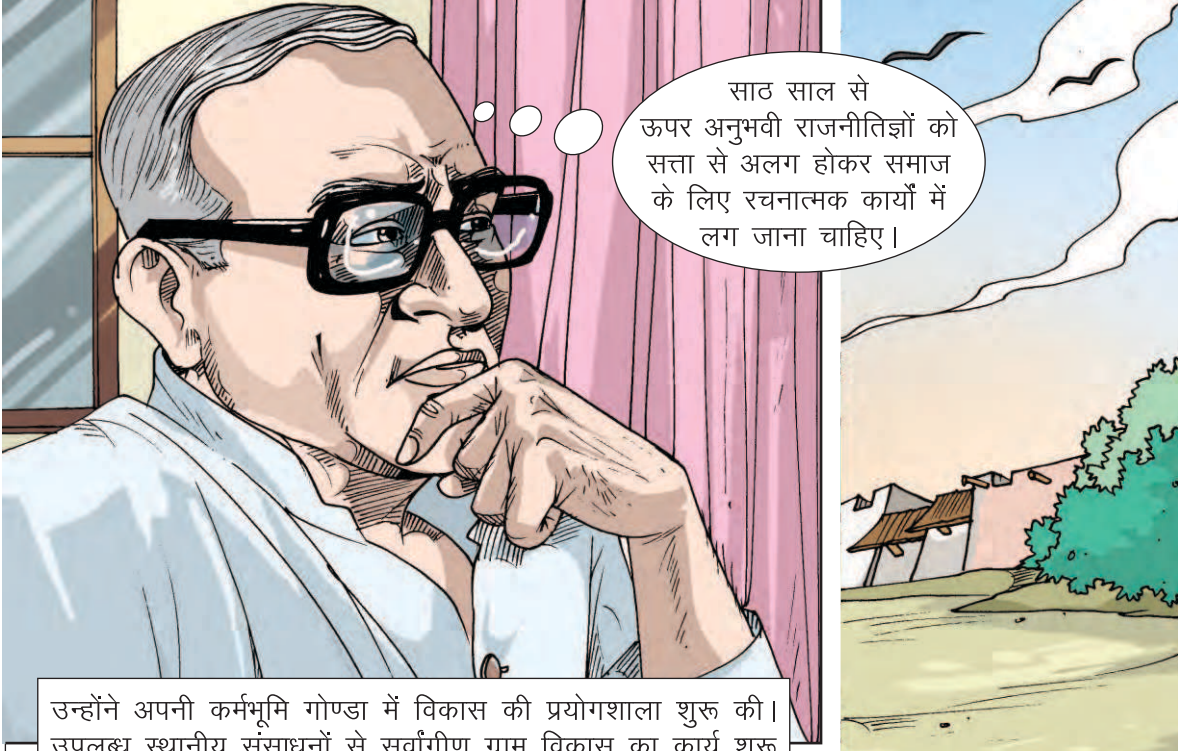


नानाजी ने राजनीति से सन्यास लेकर गांव के विकास की शपथ ली। जो भारतीय राजनीति में एक अनूठा उदाहरण था।



उन्होंने अपनी कर्मभूमि गोण्डा में विकास की प्रयोगशाला शुरू की। उपलब्ध स्थानीय संसाधनों से सर्वांगीण ग्राम विकास का कार्य शुरू किया।

